



11

ऐसे भी होते हैं घर

बच्चो! आप मुझे जानते हैं। मुझे प्यार करते हैं। आप मेरे बिना नहीं रह सकते। आप विद्यालय में होते हैं या किसी घूमने-फिरने की जगह पर, मुझे याद करते हैं। मैं आँधी, वर्षा, तूफान, सर्दी, गर्मी से आपको सुरक्षा देता हूँ। अब बताओं मैं कौन हूँ ?

ठीक सोचा मैं आपका प्यारा घर हूँ, जहाँ आप अपना बहुत सारा समय बिताते हैं। मेरा इतिहास बहुत पुराना है, उतना ही पुराना जितना कि धरती पर सबका जीवन। लोगों ने समूह के रूप में एक जगह सुरक्षित रहने के लिए मुझे बनाया। हर प्राणी ने अपने रहने के अनुकूल जगह और सुरक्षा को ध्यान में रखकर अलग-अलग तरीके का घर बनाया, इसलिए मेरे कई रूप हैं।

आपने अपने आस-पास तरह-तरह के घर देखे होंगे। इनमें से कुछ घर कच्चे होते हैं तो कुछ घर पक्के। कुछ एक मंजिला या दो मंजिला होते हैं तो कहीं-कहीं बहुमंजिला इमारत दिखाई देती हैं। इन भिन्नताओं के अलावा और भी कई तरह के घर बनाए जाते हैं। क्षेत्र विशेष की जलवायु/मौसम के आधार पर भी घर के स्वरूप या बनावट में अन्तर दिखाई पड़ता है। अलग-अलग क्षेत्रों में घर बनाने में प्रयुक्त होने वाली सामग्री भी अलग-अलग होती है।

बाँस का घर—

इस तरह के घर उन स्थानों पर बनाए जाते हैं जहाँ बहुत अधिक बारिश होती है। ऐसे स्थानों पर घर जमीन से 10-12 फीट की ऊँचाई पर बाँस के मजबूत खम्भों पर बनाए जाते हैं। बाँस अधिक समय तक पानी में रहने पर भी नहीं सड़ता है। ये घर अन्दर से भी लकड़ी के बने होते हैं।



बर्फ के घर—

ऐसी जगह जहाँ चारों ओर केवल बर्फ ही बर्फ होती है, वहाँ लोग बर्फ की सिल्लियों के घर बनाते हैं। ऐसे घर को 'इग्लू' कहते हैं। ऐसे घर की दीवारें अंदर से छूने पर ठंडी तो लगती हैं, पर वे बाहर गिरती बर्फ और ठंडी हवा को अन्दर नहीं आने देती। इसके अंदर आग जलाई जाती है जिससे घर गर्म रहता है।



मिट्टी के घर



ऐसे स्थान जहाँ बारिश बहुत कम होती है तथा अत्यधिक गर्मी पड़ती है, वहाँ लोग मिट्टी के घर बनाकर रहते हैं। घर की दीवारें बहुत मोटी होती हैं। मिट्टी सूर्य की गर्मी से सूखकर कठोर हो जाती है। मोटी दीवारों के कारण गर्मी घर के अंदर नहीं आ पाती है।

तैरते हुए घर

इस प्रकार के घर लकड़ी के डोंगे की भाँति बने होते हैं। ये नावों की तरह पानी में तैरते रहते हैं। इसलिए इसे तैरते हुए घर या हाउसबोट भी कहते हैं।



इसे भी जानें –

चीन में बहुत से लोग नाव पर बने घरों में रहते, खाते-पीते और सोते हैं। यह अपने लिए इसी पर सब्जियाँ उगाते हैं और मुर्गियाँ भी पालते हैं। इन घरों को 'सामपान' कहते हैं।

पत्थर के घर



ऐसे घर पर्वतीय क्षेत्रों में दिखते हैं। इस प्रकार के घर पत्थरों को काटकर उन्हें एक के ऊपर एक रखकर बनाए जाते हैं। पत्थरों के ऊपर मिट्टी और चूने की पुताई की जाती है। पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश बहुत अधिक होती है तथा बर्फ भी गिरती है। अतः ऐसी जगह पर घरों की छत सपाट नहीं बनाई जाती है। इन घरों की छत ढलवा होती है।

घुमन्तू लोगों के घर

ऐसे लोग जो हमेशा एक जगह पर स्थायी रूप से नहीं रहते हैं, वे इस प्रकार के घर में रहते हैं। इन्हें जहाँ ठहरना होता है, वहाँ ये अपना घर अस्थायी रूप से टेंट आदि की मदद से बना लेते हैं। कभी-कभी लोग आवश्यकतानुसार भी इस तरह के घर बनाकर रहते हैं। जैसे बाढ़ या भूकम्प वाले क्षेत्रों में लोग प्रायः इस तरह के घर बनाकर रहते हैं।



इसे भी जानिए –

बिना दीवार के घर – अमेजन के जंगलों में बहुत पानी बरसता है तथा बहुत गर्मी पड़ती है। उमस से बचने के लिए यहाँ के लोग ताड़ की पत्तियों को खम्भों से टिका कर बड़ी गोलाकार छत बनाते हैं, इसमें दीवारें नहीं होती हैं। यह छतें बीच से खुली होती हैं।



अभ्यास

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

- (क) अत्यधिक वर्षा वाले स्थानों में के घर बनाए जाते हैं।
- (ख) पानी में तैरते हुए घर को कहते हैं।
- (ग) से बने घर को इग्लू कहते हैं।
- (घ) चलते-फिरते घर रूप से बनाए जाते हैं।

- 2. घर हमारे लिए क्यों जरूरी है ?
- 3. हाउसबोट दूसरे घरों से अलग है। कैसे ?
- 4. 'सामपान' किसे कहते हैं ?
- 5. पर्वतीय क्षेत्रों के घरों की छत तिरछी क्यों बनाई जाती है ?
- 6. मिट्टी से बने घर की क्या विशेषता होती है ?
- 7. 'बिना दीवार के घर' कहाँ बनाए जाते हैं ?
- 8. क्या आपके यहाँ बर्फ के घर बनाए जा सकते हैं ? यदि नहीं तो क्यों ?



प्रोजेक्ट वर्क

अलग-अलग चीजों जैसे मिट्टी, लकड़ी, कपड़ों के टुकड़े, रंगीन कागज, जूते के डिब्बे, माचिस की डिब्बी, पत्थर के टुकड़े, रूई आदि का प्रयोग करके आप तरह-तरह के घर का मॉडल तैयार करें।